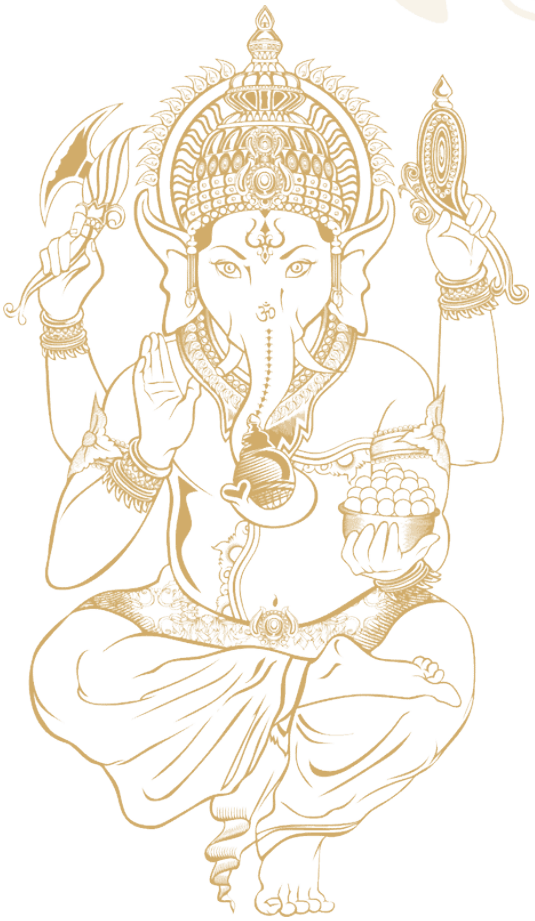

Mr.Anand raj

15 Nov 2020

05:00 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/11/2020**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	57:37:40 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:20:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:34 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:21 घंटे
सूर्योदय	05:56:56 घंटे
सूर्यास्त	16:51:30 घंटे
दिनमान	10:54:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:54:45 तुला
लग्न के अंश	15:37:15 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:37:15	315:31:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	28:54:45	01:00:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			तुला	25:36:01	15:10:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	21:05:46	00:00:46	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	10:39:33	01:18:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			धनु	29:04:05	00:10:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	स्वराशि
शुक्र			कन्या	27:44:22	01:13:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			मक	02:57:00	00:04:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	25:56:59	00:03:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	25:56:59	00:03:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	13:57:33	00:02:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	24:04:30	00:00:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	28:45:37	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	17:58:45	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:36

लग्न-चलित

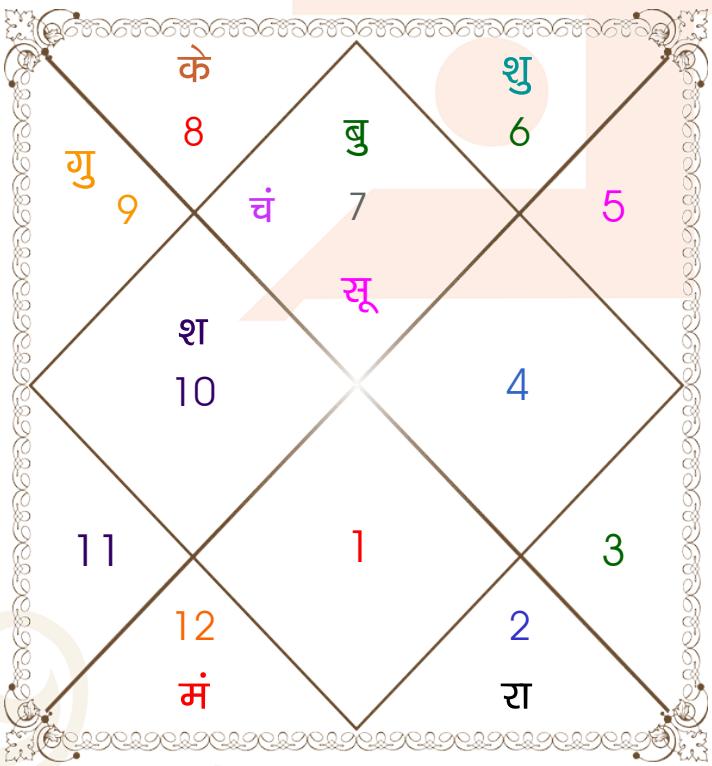

चन्द्र कुंडली

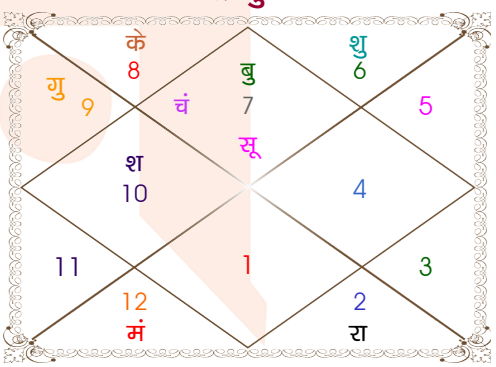

नवमांश कुंडली

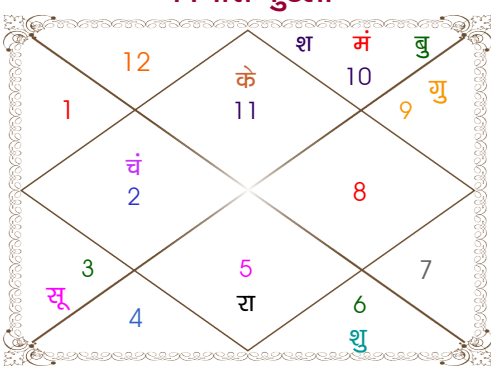

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 3 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/11/2020		25/02/2030		25/02/2049		25/02/2066		25/02/2073	
25/02/2030		25/02/2049		25/02/2066		25/02/2073		25/02/2093	
	00/00/0000	शनि	28/02/2033	बुध	24/07/2051	केतु	24/07/2066	शुक्र	26/06/2076
	15/11/2020	बुध	08/11/2035	केतु	21/07/2052	शुक्र	23/09/2067	सूर्य	27/06/2077
बुध	31/01/2021	केतु	17/12/2036	शुक्र	22/05/2055	सूर्य	29/01/2068	चंद्र	25/02/2079
केतु	07/01/2022	शुक्र	16/02/2040	सूर्य	27/03/2056	चंद्र	29/08/2068	मंगल	26/04/2080
शुक्र	07/09/2024	सूर्य	28/01/2041	चंद्र	26/08/2057	मंगल	25/01/2069	राहु	27/04/2083
सूर्य	27/06/2025	चंद्र	30/08/2042	मंगल	24/08/2058	राहु	13/02/2070	गुरु	26/12/2085
चंद्र	27/10/2026	मंगल	09/10/2043	राहु	12/03/2061	गुरु	20/01/2071	शनि	25/02/2089
मंगल	02/10/2027	राहु	15/08/2046	गुरु	18/06/2063	शनि	29/02/2072	बुध	27/12/2091
राहु	25/02/2030	गुरु	25/02/2049	शनि	25/02/2066	बुध	25/02/2073	केतु	25/02/2093

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/02/2093		25/02/2099		26/02/2109		27/02/2116		26/02/2134	
25/02/2099		26/02/2109		27/02/2116		26/02/2134		00/00/0000	
सूर्य	14/06/2093	चंद्र	27/12/2099	मंगल	25/07/2109	राहु	09/11/2118	गुरु	15/04/2136
चंद्र	14/12/2093	मंगल	28/07/2100	राहु	12/08/2110	गुरु	03/04/2121	शनि	28/10/2138
मंगल	21/04/2094	राहु	27/01/2102	गुरु	19/07/2111	शनि	08/02/2124	बुध	16/11/2140
राहु	16/03/2095	गुरु	29/05/2103	शनि	27/08/2112	बुध	28/08/2126		00/00/0000
गुरु	02/01/2096	शनि	27/12/2104	बुध	24/08/2113	केतु	15/09/2127		00/00/0000
शनि	14/12/2096	बुध	28/05/2106	केतु	21/01/2114	शुक्र	15/09/2130		00/00/0000
बुध	20/10/2097	केतु	27/12/2106	शुक्र	23/03/2115	सूर्य	10/08/2131		00/00/0000
केतु	25/02/2098	शुक्र	27/08/2108	सूर्य	29/07/2115	चंद्र	08/02/2133		00/00/0000
शुक्र	25/02/2099	सूर्य	26/02/2109	चंद्र	27/02/2116	मंगल	26/02/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 3 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।